Drishti IAS Presents...

PT SPRINT 2024

आधुनिक इतिहास

(मार्च 2023 – मार्च 2024)

MCQs

Multiple Choice Questions and Answers

Drishti IAS, 641, Mukherjee Nagar, Opp. Signature View Apartment, New Delhi

Drishti IAS, 21 Pusa Road, Karol Bagh New Delhi - 05

Drishti IAS, Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj, Uttar Pradesh

Drishti IAS, Tonk Road, Vasundhra Colony, Jaipur, Rajasthan

e-mail: englishsupport@groupdrishti.com, **Website:** www.drishtiias.com

Contact: Inquiry (English): 8010440440, **Inquiry (Hindi):** 8750187501

प्रश्न और उत्तर

1. श्री मोरारजी देसाई के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान भारत के संविधान का चौवालीसवाँ संशोधन अधिनियमित किया गया था।
2. उन्होंने व्यक्तिगत सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

श्री मोरारजी देसाई:

- मोरारजी देसाई एक भारतीय राजनीतिज्ञ और कार्यकर्त्ता थे जिन्होंने वर्ष 1977 से वर्ष 1979 तक **भारत के चौथे प्रधानमंत्री** के रूप में कार्य किया।
  - प्रधानमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान **भारतीय संविधान का चवालीसवाँ संशोधन अधिनियमित किया गया** था। **अत: कथन 1 सही है।**
- **सविनय अवज्ञा आंदोलन** के दौरान मोरारजी देसाई कॉन्ग्रेस में शामिल हुए। उन्हें तीन बार कारावास की सज़ा दी गई और उन्होंने **व्यक्तिगत सत्याग्रह** तथा **भारत छोड़ो आंदोलन** में सक्रिय रूप से भाग लिया। **अत: कथन 2 सही है।**
  - वह **वर्ष 1952 में बॉम्बे के मुख्यमंत्री** बने और वाणिज्य तथा उद्योग मंत्री, तत्कालीन वित्त मंत्री के रूप में भी कार्य किया। उन्होंने **कामराज योजना** के तहत अपने पद से इस्तीफा दिया और प्रशासनिक सुधार आयोग की अध्यक्षता की। वर्ष 1977 में उन्होंने प्रधानमंत्री का पद ग्रहण किया।

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ब्रिटिश सरकार के वर्ष 1863 के धार्मिक बंदोबस्ती अधिनियम का उद्देश्य स्थानीय समितियों को नियंत्रण हस्तांतरित करके मंदिर प्रबंधन को पंथनिरपेक्ष बनाना था।
2. जस्टिस पार्टी ने वर्ष 1927 में मद्रास हिंदू धार्मिक बंदोबस्ती अधिनियम लागू किया, जो मंदिरों को विनियमित करने के लिये एक निर्वाचित सरकार द्वारा किये गए शुरुआती प्रयासों में से एक था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

- **ब्रिटिश सरकार के वर्ष 1863 के धार्मिक बंदोबस्ती अधिनियम** का उद्देश्य स्थानीय समितियों को नियंत्रण हस्तांतरित करके मंदिर प्रबंधन को पंथनिरपेक्ष बनाना था। **अत: कथन 1 सही है।**
- **जस्टिस पार्टी ने वर्ष 1927** में मद्रास हिंदू धार्मिक बंदोबस्ती अधिनियम लागू किया, जो मंदिरों को विनियमित करने के लिये एक निर्वाचित सरकार द्वारा किये गए शुरुआती प्रयासों में से एक था। **अत: कथन 2 सही है।**
- **वर्ष 1950 में, भारत के विधि आयोग** ने मंदिर के धन के दुरुपयोग को रोकने के लिये कानून बनाने की सिफारिश की, जिसके परिणामस्वरूप **तमिलनाडु हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ बंदोबस्ती (TN HR&CE) अधिनियम, 1951 लागू हुआ।**
  - यह मंदिरों और उनकी संपत्तियों के प्रशासन, सुरक्षा तथा संरक्षण हेतु हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के निर्माण का प्रावधान करता है।

3. स्वामी दयानंद सरस्वती के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. उन्होंने "वेदों की ओर लौटो" का नारा दिया।
2. प्रथम आर्य समाज इकाई औपचारिक रूप से उनके द्वारा लाहौर में स्थापित की गई और बाद में इसका मुख्यालय मुंबई में स्थापित किया गया।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथनों सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: A

व्याख्या:

स्वामी दयानंद सरस्वती:

- हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री ने **स्वामी दयानंद सरस्वती की 200वीं जयंती** पर एक कार्यक्रम को संबोधित किया।

- स्वामी दयानंद सरस्वती का जन्म **12 फरवरी 1824** को **टंकारा, गुजरात** में हुआ तथा उनका मूल नाम मूल शंकर तिवारी था।
- उन्होंने **वेदों** से प्रेरणा ली और उन्हें **'भारत की युगीन शिला'** के रूप में देखा जो **हिंदू धर्म** का अपरिहार्य तथा वास्तविक मूल कारक है।
  - उन्होंने **"वेदों की ओर लौटो"** का नारा दिया। **अत: कथन 1 सही है।**
- पहली **आर्य समाज इकाई** औपचारिक रूप से **स्वामी दयानंद सरस्वती** द्वारा वर्ष **1875** में मुंबई में स्थापित की गई और बाद में आर्य **समाज** का मुख्यालय **लाहौर** में स्थापित किया गया। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

4. छत्रपति शिवाजी महाराज के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. उन्होंने चौथ और सरदेशमुखी नामक दो करों का संग्रह शुरू किया।
2. उन्होंने रैयतवाड़ी व्यवस्था को समाप्त कर दिया और इसके स्थान पर जागीरदारी व्यवस्था लागू की।
3. उन्होंने "हैंदव धर्मोद्धारक" की उपाधि धारण की।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: C

व्याख्या:

छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती प्रतिवर्ष **19 फरवरी** को मनाई जाती है।

- **शिवाजी महाराज:**
  - **मराठा साम्राज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी** का जन्म 19 फरवरी 1630 को वर्तमान महाराष्ट्र के जुन्नार ज़िले के **शिवनेरी किले** में हुआ था।
  - उनका जन्म **शाहजी भोसले और जीजाबाई** के यहाँ हुआ था।
  - उन्होंने **चौथ एवं सरदेशमुखी** नामक दो करों का संग्रह प्रारंभ किया। उसने अपने राज्य को चार प्रांतों में विभाजित किया, जिनमें से प्रत्येक का मुखिया एक मामलतदार होता था। **अत: कथन 1 सही है।**
  - उन्होंने **जागीरदारी प्रथा** को समाप्त कर दिया और इसके स्थान पर **रैयतवाड़ी व्यवस्था** लागू की। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
  - उन्होंने **छत्रपति, शाककर्त्ता, क्षत्रिय कुलवंत एवं हैंदव धर्मोद्धारक की उपाधियाँ धारण कीं। अत: कथन 3 सही है।**

5. पराक्रम दिवस के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. पराक्रम दिवस नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला एक वार्षिक उत्सव है।
2. केंद्र ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में व्यक्तियों तथा संगठनों द्वारा दिये गए अमूल्य योगदान का सम्मान करने के लिये सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार-2024 की घोषणा की।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

व्याख्या:

- भारत में **नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती** के उपलक्ष्य में वर्ष 2021 से प्रत्येक वर्ष पराक्रम दिवस मनाया जाता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- समारोह में अमूमन **स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी की भूमिका के ऐतिहासिक महत्त्व को उजागर करने वाले विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ शामिल** होती हैं।
- पराक्रम दिवस के अवसर पर केंद्र ने आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में व्यक्तियों तथा संगठनों द्वारा दिये गए अमूल्य योगदान का सम्मान करने के लिये **सुभाष चंद्र बोस आपदा प्रबंधन पुरस्कार-2024** की घोषणा की। **अत: कथन 2 सही है।**

6. नेहरू रिपोर्ट के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. नेहरू रिपोर्ट में पूर्ण स्व-शासन, संप्रभुता और ब्रिटिश शासन से पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की गई।
2. इस रिपोर्ट को कॉन्ग्रेस के भीतर सार्वभौमिक समर्थन नहीं मिला, बोस और जवाहरलाल नेहरू जैसे नेताओं ने इसका पूर्ण स्वतंत्रता का समर्थन किया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: A

व्याख्या:

- **नेहरू रिपोर्ट** में मांग की गई कि भारत को ब्रिटिश साम्राज्य के भीतर प्रभुत्व का दर्जा दिया जाए। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
  - दिसंबर 1929 में कॉन्ग्रेस के लाहौर अधिवेशन में ऐतिहासिक **"पूर्ण स्वराज"** प्रस्ताव पारित किया, जिसमें पूर्ण स्व-शासन/संप्रभुता और ब्रिटिश शासन से पूर्ण स्वतंत्रता की मांग की गई।
- नेहरू रिपोर्ट को कॉन्ग्रेस के भीतर सार्वभौमिक समर्थन नहीं मिला, **बोस और जवाहरलाल नेहरू** जैसे नेताओं ने **डोमिनियन स्टेटस** के बजाय **ब्रिटिश साम्राज्य** से **पूर्ण स्वतंत्रता** का समर्थन किया। **अत: कथन 2 सही है।**

7. सावित्री बाई फुले के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. उन्होंने 1852 में महिला सेवा सदन शुरू किया।
2. उन्होंने 1873 में सत्यशोधक समाज की स्थापना की।
3. उन्होंने पीड़ित समुदाय के लिये "गो गेट एजुकेशन" कविता की रचना की।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

सावित्री बाई फुले के बारे में :

- उन्होंने **1852 में महिला सेवा सदन** की शुरुआत की। **अत: कथन 1 सही है।**
- ज्योतिबा फुले ने 1873 में सत्य शोधक समाज की स्थापना की। उन्होंने ज्योतिबा की मृत्यु के बाद सत्य शोधक समाज को आगे बढ़ाया। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- उन्होंने पीड़ित समुदाय के लिये "गो गेट एजुकेशन" कविता की रचना की। **अत: कथन 3 सही है।**

8. रानी वेलु नचियार के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. रानी वेलु नचियार, जिन्हें वीरमंगई के नाम से भी जाना जाता है, तमिलनाडु के रामनाथपुरम में रामनाद साम्राज्य की राजकुमारी थीं।
2. भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक सत्ता के विरुद्ध लड़ने वाली पहली रानी के रूप में उनका सम्मान किया जाता है।
3. उन्होंने 1700 के दशक के अंत में प्रशिक्षित महिला सैनिकों की पहली सेना का गठन किया।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: C

- रानी वेलु नचियार, जिन्हें **वीरमंगई** के नाम से भी जाना जाता है, तमिलनाडु के रामनाथपुरम के रामनाद साम्राज्य की राजकुमारी थीं। **अत: कथन 1 सही है।**
- भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक सत्ता के विरुद्ध लड़ने वाली पहली रानी के रूप में उनका सम्मान किया जाता है। **अत: कथन 2 सही है।**
  - वह फ्रेंच, अंग्रेज़ी तथा उर्दू जैसी भाषाओं की ज्ञाता थीं।
- वर्ष 1780 में अपने पति मुथुवदुगनाथपेरिया उदयथेवर की मृत्यु के बाद नचियार **शिवगंगा एस्टेट (वर्तमान तमिलनाडु)** की रानी बन गईं। उन्होंने वर्ष 1790 तक शासन किया।
- उन्होंने **पहले मानव बम** के प्रयोग के साथ-साथ वर्ष 1700 के दशक के अंत में **प्रशिक्षित महिला सैनिकों की पहली सेना** का गठन किया। **अत: कथन 3 सही है।**

9. हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इस संगठन के संस्थापक चंद्रशेखर आज़ाद थे।
2. इस एसोसिएशन द्वारा सार्वभौमिक मताधिकार और समाजवादी सिद्धांतों पर आधारित एक गणतंत्र की कल्पना की गई थी।
3. HRA को वर्ष 1927 में हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन (HSRA) में बदल दिया गया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई भी नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन :

- **स्थापना:** असहयोग आंदोलन को रोकने के फैसले से युवाओं में असंतोष हो गया और इन्होंने **हिंदुस्तान रिपब्लिकन एसोसिएशन (HRA) की स्थापना की।**
  - राम प्रसाद बिस्मिल और **अशफाक उल्ला खान, समूह के संस्थापकों में से थे। अन्य में सचिंद्र नाथ बख्शी और ट्रेड यूनियनिस्ट जोगेश चंद्र चटर्जी** शामिल थे।
    - चन्द्रशेखर आज़ाद और भगत सिंह जैसी हस्तियाँ भी **HRA** में शामिल हुईं। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- **HRA का दृष्टिकोण:** उन्होंने **सार्वभौमिक मताधिकार और समाजवादी सिद्धांतों पर आधारित एक गणतंत्र** की कल्पना की, जिसमें मानव शोषण वाली प्रणालियों के उन्मूलन को प्राथमिकता दी गई। **अत: कथन 2 सही है।**
- **HRA का विकास:** समाजवादी विचारधाराओं की ओर बदलाव के कारण **HRA वर्ष** 1928 में **हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन** (**HSRA**) में तब्दील हो गया, जिसने अपना ध्यान राजनीतिक स्वतंत्रता से बढ़ाकर सामाजिक-आर्थिक समानता पर केंद्रित कर लिया।
- भगत सिंह जैसी हस्तियों के नेतृत्व में, **HSRA** ने राष्ट्रवादी आकांक्षाओं को समाजवादी सिद्धांतों के साथ सम्मिलित किया, जिससे भारत के स्वतंत्रता संग्राम की दिशा बदल गई। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

10. वर्नाक्युलर प्रेस अधिनियम, 1878 के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. वर्नाक्यूलर प्रेस अधिनियम, 1878 प्रेस को विनियमित करने वाला पहला ब्रिटिश हस्तक्षेप था।
2. मेटकाफ ने वर्नाक्युलर प्रेस अधिनियम, 1878 को निरस्त कर दिया और उन्हें "भारतीय प्रेस के मुक्तिदाता" के रूप में जाना जाने लगा।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

व्याख्या:

प्रेस विनियमन से संबंधित स्वतंत्रता-पूर्व विधान:

- **लॉर्ड वेलेज़ली (वर्ष 1799) के तहत सेंसरशिप:** फ्राँसीसी

आक्रमण की आशंकाओं के कारण पूर्व-सेंसरशिप सहित सख्त युद्धकालीन प्रेस नियंत्रण लागू किया गया।

- बाद में वर्ष 1818 में **लॉर्ड हेस्टिंग्स** द्वारा प्री-सेंसरशिप हटाकर इसमें ढील/छूट दी गई।

- **जॉन एडम्स द्वारा लाइसेंसिंग विनियम (1823):** इसमें बिना लाइसेंस के प्रेस शुरू करने या संचालित करने के लिये दंड का प्रावधान किया गया, जिसे बाद में बढ़ाते हुए विभिन्न प्रकाशनों पर लागू कर दिया गया।
  - मुख्य रूप से भारतीय भाषा के समाचार पत्रों या भारतीयों के नेतृत्व वाले समाचार पत्रों को निशाना बनाया गया, जिसके कारण **राममोहन राय** का **मिरात-उल-अकबर** बंद हो गया।
- **प्रेस अधिनियम, 1835 (मेटकाफ अधिनियम):** प्रतिबंधात्मक 1823 अध्यादेश को निरस्त कर दिया गया, जिससे मेटकाफ को "भारतीय प्रेस के मुक्तिदाता" की उपाधि मिली। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
  - मुद्रकों/प्रकाशकों द्वारा अपने परिसर के बारे में सटीक घोषणाएँ करना अनिवार्य की गईं और आवश्यकतानुसार समाप्ति की अनुमति दी गई।
- **वर्ष 1857 के विद्रोह के दौरान लाइसेंसिंग अधिनियम:** 1857 के आपातकाल के कारण आगे लाइसेंसिंग प्रतिबंध लगाए गए।
  - मौजूदा रजिस्ट्रीकरण प्रक्रियाओं को संवर्द्धित किया गया, जिससे सरकार को किसी भी मुद्रित सामग्री के प्रसार को रोकने की शक्ति मिल गई।
- **वर्नाक्यूलर प्रेस अधिनियम, 1878:** इसे वर्नाक्यूलर प्रेस को विनियमित करने, राजद्रोह से संबंधित लेखन को प्रतिबंधित करने और विभिन्न समुदायों के बीच कलह को रोकने के लिये डिज़ाइन किया गया।
  - स्थानीय समाचार पत्रों के मुद्रकों और प्रकाशकों को **सरकार विरोधी या विभाजनकारी विषयों** का प्रसार करने से परहेज के लिये एक बॉण्ड पर हस्ताक्षर करने की मांग की गई।
  - मजिस्ट्रेट द्वारा लिये गए निर्णय न्यायालय में अपील के किसी भी अवसर के बिना अंतिम होते थे।
  - स्पष्टत: भारतीय प्रेस को विनियमित करने वाला यह पहला ब्रिटिश हस्तक्षेप नहीं था। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- **समाचार पत्र (अपराधों को उकसाना) अधिनियम, 1908:** हिंसा या हत्या के लिये उकसाने, आपत्तिजनक विषय-वस्तुओं को प्रकाशित करने वाली प्रेस संपत्तियों को ज़ब्त करने के लिये मजिस्ट्रेटों को अधिकार दिया गया।
  - **उग्र राष्ट्रवादी नेता बाल गंगाधर तिलक को राजद्रोह के आरोपों का सामना करना पड़ा** और उन्हें मांडले ले जाया गया, जिससे व्यापक विरोध और हड़ताल के घटनाएँ हुईं।
- **भारतीय प्रेस अधिनियम, 1910:** स्थानीय सरकार रजिस्ट्रीकरण के समय सुरक्षा की मांग कर सकती थी, उल्लंघन करने वाले समाचार पत्रों को दंडित कर सकती थी और जाँच के लिये निशुल्क प्रतियों की मांग कर सकती थी।
  - वर्नाक्यूलर प्रेस अधिनियम के समान कड़े नियम लागू करके प्रेस की स्वतंत्रता को बाधित किया गया।

11. डॉ. राजेंद्र प्रसाद के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. वह बिहार में चंपारण सत्याग्रह (1917) के दौरान महात्मा गांधी के साथ जुड़े थे।
2. डॉ. प्रसाद ने गांधीजी के असहयोग आंदोलन के तहत बिहार में असहयोग का आह्वान किया।
3. वह आधिकारिक तौर पर वर्ष 1911 में कलकत्ता में आयोजित अपने वार्षिक सत्र के दौरान भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस में शामिल हो गए।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: C

व्याख्या:

- डॉ. राजेंद्र प्रसाद का जन्म 3 दिसंबर, 1884 को बिहार के सिवान ज़िले के जीरादेई में हुआ था।
- वह बिहार में चंपारण सत्याग्रह (1917) के दौरान महात्मा गांधी के साथ जुड़े थे। **अत: कथन 1 सही है।**
- डॉ. प्रसाद ने 1918 के रॉलेट एक्ट और 1919 के जलियाँवाला बाग हत्याकांड पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की।
- डॉ. प्रसाद ने **गांधीजी के असहयोग आंदोलन** के तहत बिहार में **असहयोग** का आह्वान किया। **अत: कथन 2 सही है।**
- उन्होंने वर्ष 1930 में बिहार में नमक सत्याग्रह में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके कारण उन्हें कारावास भी हुआ।
- वह आधिकारिक तौर पर वर्ष **1911 में कलकत्ता** में आयोजित अपने वार्षिक सत्र के दौरान **भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस** में शामिल हो गए। **अत: कथन 3 सही है।**

12. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. डॉ. बी.आर. अंबेडकर की अनुकरणीय सेवा की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 6 दिसंबर को उनकी पुण्यतिथि को महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है।

2. हिंदू महिलाओं का उत्थान और पतन पुस्तक डॉ. बी.आर. अम्बेडकर द्वारा लिखी गई है।
3. महाड सत्याग्रह दलितों के अधिकारों पर जोर देने के लिये एक ऐतिहासिक विरोध था जिसका नेतृत्व वर्ष 1927 में महात्मा गांधी के साथ डॉ. बी. आर. अंबेडकर ने किया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2
C. केवल 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: A

व्याख्या:

- राष्ट्र के प्रति डॉ. **बी.आर. अंबेडकर** की अनुकरणीय सेवा की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 6 दिसंबर को उनकी पुण्यतिथि को **महापरिनिर्वाण दिवस** के रूप में मनाया जाता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- **हिंदू महिलाओं का उत्थान और पतन पुस्तक डॉ. बी.आर. अंबेडकर द्वारा** लिखी गई है, जो एक भारतीय न्यायविद्, अर्थशास्त्री, राजनीतिज्ञ और समाज सुधारक थे, जिन्होंने दलित बौद्ध आंदोलन को प्रेरित किया और अछूतों (दलितों) के प्रति सामाजिक भेदभाव के खिलाफ अभियान चलाया। **अत: कथन 2 सही है।**
- **महाड सत्याग्रह डॉ. बी.आर. अंबेडकर के नेतृत्व में एक ऐतिहासिक विरोध प्रदर्शन** था। वर्ष **1927 में अंबेडकर ने महाड, महाराष्ट्र में सार्वजनिक जल स्रोतों तक पहुँच** के लिये दलितों के अधिकारों पर ज़ोर दिया। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

13. गोवा और उसके मुक्ति दिवस के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. वर्ष 1961 में पुर्तगाली शासन से राज्य की मुक्ति की स्मृति में प्रति वर्ष 19 दिसंबर को गोवा मुक्ति दिवस मनाया जाता है।
2. वर्ष 1961 में भारत सरकार ने ऑपरेशन विजय लॉन्च किया व 19 दिसंबर को दमन और दीव तथा गोवा को भारतीय मुख्य भूमि में विलय कर लिया।
3. गोवा 1987 तक केंद्र शासित प्रदेश बना रहा और फिर इसे भारत के 25वें राज्य का दर्जा दिया गया।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: C

व्याख्या:

- वर्ष 1961 में पुर्तगाली शासन से **राज्य की मुक्ति की स्मृति** में प्रति वर्ष 19 दिसंबर को **गोवा मुक्ति दिवस** मनाया जाता है। **अत: कथन 1 सही है।**
- भारत सरकार ने आज़ादी के बाद गोवा में सेना भेजने के लिये **14 वर्ष तक इंतज़ार किया** क्योंकि यह एक संवेदनशील मुद्दा था और सरकार पुर्तगाल के साथ युद्ध का जोखिम नहीं उठाना चाहती थी।
- वर्ष 1961 में भारत सरकार ने **ऑपरेशन विजय लॉन्च किया व 19 दिसंबर को दमन और दीव तथा गोवा** को भारतीय मुख्य भूमि में विलय कर लिया। **अत: कथन 2 सही है।**
  - परिणामस्वरूप, **गोवा, दमन और दीव भारत के केंद्रशासित प्रदेश** बन गए।
- गोवा **1987 तक केंद्र शासित प्रदेश बना रहा और फिर इसे भारत के 25वें राज्य** का दर्जा दिया गया। **अत: कथन 3 सही है।**

14. जनजातीय गौरव दिवस के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. वर्ष 2021 में भारत सरकार ने आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों की वीरता को याद करते हुए आधिकारिक तौर पर 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित किया।
2. यह तिथि रानी गाइदिन्ल्यू की जयंती है, जिनकी देश भर के आदिवासी समुदाय भगवान के रूप में उपासना करते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: A

व्याख्या:

जनजातीय गौरव दिवस:

- **भारत सरकार** ने **15 नवंबर को** बहादुर आदिवासी स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति को समर्पित **जनजातीय गौरव दिवस के रूप में घोषित किया है।** यह घोषणा वर्ष 2021 के दौरान की गई थी। **अत: कथन 1 सही है।**
- यह तिथि **श्री बिरसा मुंडा की जयंती** है, जिनकी देश भर के आदिवासी समुदाय **भगवान** के रूप में उपासना करते हैं। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- बिरसा मुंडा ने ब्रिटिश औपनिवेशिक व्यवस्था की शोषणकारी प्रथा के खिलाफ देश भर में **बहादुरी से लड़ाई लड़ी** तथा **'उलगुलान' (क्रांति)** का आह्वान करते हुए ब्रिटिश उत्पीड़न के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व किया।

- यह घोषणा जनजातीय समुदायों के **गौरवशाली इतिहास** तथा **सांस्कृतिक विरासत** को स्वीकार करता है। यह दिवस **प्रत्येक वर्ष मनाया जाएगा** तथा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण व वीरता, आतिथ्य और राष्ट्रीय गौरव के भारतीय मूल्यों को बढ़ावा देने के लिये जनजातीय समुदायों के प्रयासों को मान्यता देगा।
- नागा नेता रानी गाइदिन्ल्यू का जन्म मणिपुर में हुआ था। वह अंग्रेज़ों के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह का नेतृत्व करने के लिये प्रसिद्ध थीं। गाइदिन्ल्यू वर्ष 1927 में **ब्रिटिश नियंत्रण को समाप्त करने** तथा **नगा स्वशासन** लाने के इरादे से **हेराका आंदोलन** में शामिल हुई।

15. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. संथाली मुंडा शाखा की एक भाषा है जो मुख्य रूप से पूर्व-मध्य भारतीय राज्यों पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा में बोली जाती है
2. संथाली भाषा को 92वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम, 2003 के माध्यम से संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल किया गया था।

निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

संथाली भाषा

- संथाली ऑस्ट्रो-एशियाई भाषा-परिवार की **मुंडा शाखा की एक भाषा** है जो मुख्य रूप से **पूर्व-मध्य भारतीय राज्यों पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा** में बोली जाती है **अत: कथन 1 सही है।**
- वर्ष 2003 में **92वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम द्वारा संथाली को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में बोडो, डोगरी और मैथिली भाषाओं** के साथ भारत की आधिकारिक भाषा के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। **अत: कथन 2 सही है।**

16. गुरु तेग बहादुर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. उनकी रचना को 116 काव्य भजनों के रूप में पवित्र ग्रंथ 'गुरु ग्रंथ साहिब' में शामिल किया गया है।
2. वर्ष 1675 में मुगल सम्राट औरंगज़ेब के आदेश पर गुरु तेग बहादुर की हत्या दिल्ली में कर दी गई थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

गुरु तेग बहादुर:

- **गुरु तेग बहादुर का जन्म 21 अप्रैल, 1621 को अमृतसर में माता नानकी** और छठे सिख गुरु, गुरु हरगोबिंद के यहाँ हुआ था, जिन्होंने मुगलों के खिलाफ सेना खड़ी की और योद्धा संतों की अवधारणा प्रस्तुत की।
- उनकी रचना को **116 काव्य भजनों के रूप में पवित्र ग्रंथ 'गुरु ग्रंथ साहिब' में शामिल किया गया** है। **अत: कथन 1 सही है।**
- वर्ष 1675 में मुगल सम्राट औरंगज़ेब के आदेश पर गुरु तेग बहादुर की हत्या दिल्ली में कर दी गई थी। **अत: कथन 2 सही है।**
- उनकी यात्राएँ, जिनमें ढाका और पुरी जैसे दूर-दराज़ के स्थानों की यात्राएँ शामिल थीं, ने उनकी निडरता और एकता के संदेश को फैलाने की उनकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।
- ऐसे ही एक मिशन के दौरान **उन्होंने पंजाब में चक-ननकी शहर की स्थापना की,** जो बाद में पंजाब के आनंदपुर साहिब का हिस्सा बन गया।

17. सरदार वल्लभभाई पटेल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. उन्होंने मौलिक अधिकारों पर सलाहकार समिति का नेतृत्व किया।
2. सरदार पटेल को आधुनिक अखिल भारतीय सेवाओं की स्थापना के लिये 'भारत के सिविल सेवकों के संरक्षक संत' के रूप मे भी याद किया जाता है।

उपार्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

सरदार वल्लभभाई पटेल:

- **जन्म:**
  - इनका जन्म 31 अक्तूबर, 1875 को नडियाद, गुजरात में हुआ।
  - यह **भारत के पहले गृह मंत्री और उप प्रधान मंत्री** थे।

- उन्होंने हमेशा भारत के नागरिकों से एक अग्रणी भारत **(श्रेष्ठ भारत)** बनाने के लिये एकजुट होकर रहने (**एक भारत**) का अनुरोध किया।

- यह विचारधारा अभी भी आत्मनिर्भर भारत पहल में प्रतिबिंबित होती है जो भारत को आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास करती है।
  - **उन्होंने भारत की संविधान सभा की विभिन्न समितियों का नेतृत्व किया, जैसे:**
  - मूल अधिकारों पर सलाहकार समिति। **अत: कथन 1 सही है।**
  - अल्पसंख्यकों तथा जनजातीय एवं बहिष्कृत क्षेत्रों पर समिति।
  - प्रांतीय संविधान समिति

- **सुधार कार्य:**
  - उन्होंने शराबखोरी, अस्पृश्यता, जातिगत भेदभाव के खिलाफ कार्य किया और गुजरात तथा अन्य राज्यों में महिलाओं के उद्धार के लिये बड़े पैमाने पर भी मौर्चा संभाला।
  - उनके द्वारा **खेड़ा सत्याग्रह (1918)** और **बारडोली सत्याग्रह (1928)** में किसानों के हितों को राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन के साथ एकीकृत किया गया।
  - बारडोली की महिलाओं ने वल्लभभाई पटेल को 'सरदार' की उपाधि दी, जिसका अर्थ है 'प्रमुख अथवा नेता'।
  - सरदार पटेल को आधुनिक अखिल भारतीय सेवाओं की स्थापना के लिये '**भारत के सिविल सेवकों के संरक्षक संत**' के रूप मे भी याद किया जाता है। **अत: कथन 2 सही है।**

18. पंडित जवाहरलाल नेहरू के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. उन्होंने 1930 में साइमन कमीशन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया।
2. उन्होंने लाहौर अधिवेशन (1929) और लखनऊ अधिवेशन (1936) के दौरान कॉन्ग्रेस की बैठक की अध्यक्षता की।
3. वे व्यक्तिगत सत्याग्रह के प्रथम सत्याग्रही थे।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

- पंडित जवाहर लाल नेहरू ने **वर्ष 1928** में साइमन कमीशन के खिलाफ विरोध का नेतृत्व किया। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- उन्होंने लाहौर अधिवेशन (1929) और लखनऊ अधिवेशन (1936) के दौरान कॉन्ग्रेस की बैठक की अध्यक्षता की। **अत: कथन 2 सही है।**
- वह व्यक्तिगत सत्याग्रह के **दूसरे सत्याग्रही** थे। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

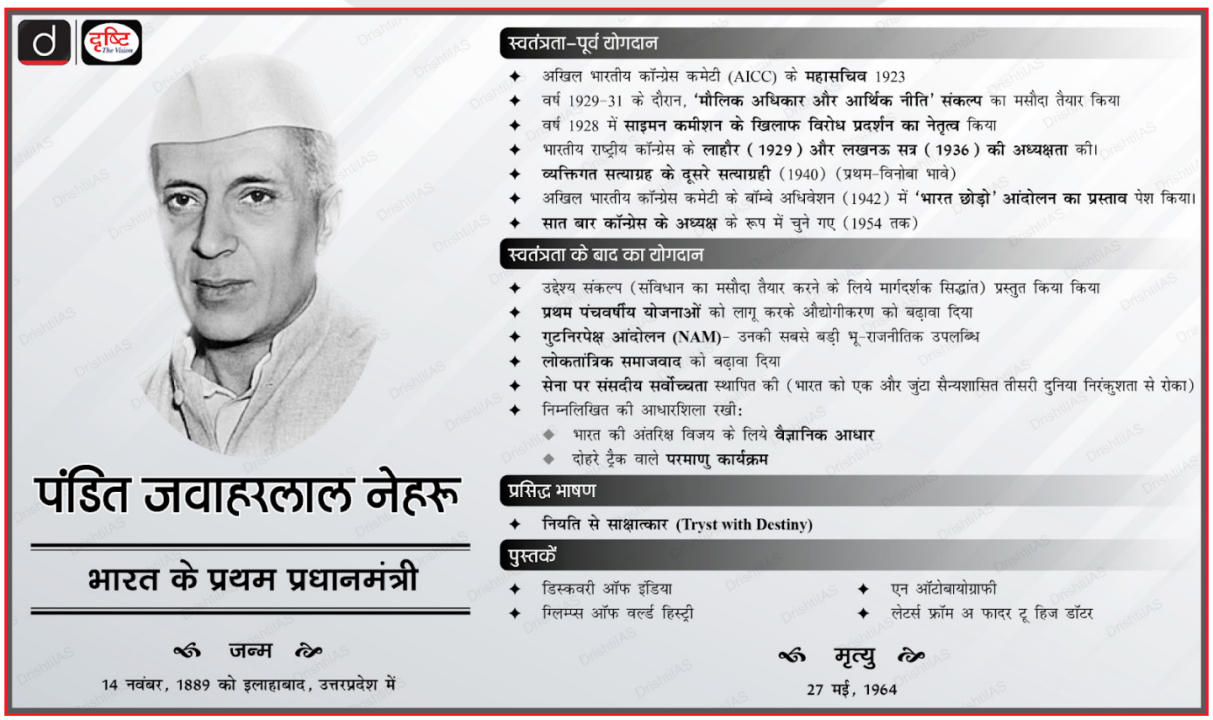

19. बिरसा मुंडा के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. उन्होंने गुरिल्ला युद्ध, धार्मिक प्रथाओं को चुनौती देने तथा सामाजिक परिवर्तनों को शामिल करते हुए पाइका आंदोलन की शुरुआत की।
2. बिरसा मुंडा ने 'बिरसाइत (Birsait)' विश्वास की शुरुआत की, वे एक आदिवासी नेता के रूप में उभरे और ब्रिटिश रूपांतरण प्रयासों के खिलाफ प्रतिरोध का नेतृत्व किया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं:

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: B

व्याख्या:

- भारत के प्रधानमंत्री ने **छोटानागपुर पठार क्षेत्र** में **मुंडा जनजाति** से संबंधित आदिवासी नेता **बिरसा मुंडा को उनकी जयंती (15 नवंबर, 1875)** पर श्रद्धांजलि अर्पित की।
- बिरसा मुंडा ने **आदिवासियों को औपनिवेशिक कानूनों का विरोध और लगान देने से इनकार करने के लिये प्रोत्साहित** किया। उन्होंने **गुरिल्ला युद्ध,** धार्मिक प्रथाओं को चुनौती देने और सामाजिक परिवर्तनों को शामिल करते हुए उलगुलान आंदोलन शुरू किया। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- ब्रिटिश औपनिवेशिक उपस्थिति और आदिवासियों को ईसाई धर्म में परिवर्तित करने के मिशनरियों के प्रयासों के जवाब में **बिरसा मुंडा ने 'बिरसाइत (Birsait)' विश्वास की शुरुआत की, वे** एक **आदिवासी नेता** के रूप में उभरे और ब्रिटिश रूपांतरण प्रयासों के खिलाफ प्रतिरोध का नेतृत्व किया। **अत: कथन 2 सही है।**

20. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. बाल दिवस 2023 की थीम "हर बच्चे के लिये हर अधिकार" है।
2. जवाहरलाल नेहरू ने वर्ष 1929-31 में मौलिक अधिकार और आर्थिक नीति का मसौदा तैयार किया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं ?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

- प्रत्येक वर्ष **14 नवंबर को स्वतंत्र** भारत के पहले प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि देने के लिये बाल दिवस मनाया जाता है। उनके निधन के बाद भारत में उनके जन्मदिन को **'बाल दिवस' या चिल्ड्रेन्स डे (Children's Day)** के रूप में मनाने के लिये सामूहिक रूप से सहमति व्यक्त की गई। जवाहरलाल नेहरू को प्यार से 'चाचा नेहरू' भी कहा जाता था और वह **बच्चों के प्रति अपने स्नेह, उनकी देखभाल तथा शिक्षा एवं अधिकारों का समर्थन करने के लिये** प्रसिद्ध थे।
- वर्ष 2023 के बाल दिवस की थीम **'हर बच्चे के लिये, हर अधिकार' (For every child, every right)**, है जो विश्व स्तर पर प्रत्येक बच्चे के अधिकारों को बनाए रखने के समर्पण पर ज़ोर देती है। **अत: कथन 1 सही है।**
- वर्ष 1929-31 में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के लाहौर अधिवेशन के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने मौलिक अधिकार और आर्थिक नीति नामक एक प्रस्ताव का मसौदा तैयार किया जिसमें कॉन्ग्रेस के मुख्य लक्ष्यों एवं देश के भविष्य को रेखांकित किया गया। **अत: कथन 2 सही है।**

21. ज़ायोनी आंदोलन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. 19वीं सदी के अंत में फिलिस्तीन में यहूदी लोगों के लिये एक राष्ट्रीय मातृभूमि की स्थापना के लक्ष्य के साथ ज़ायोनी आंदोलन की शुरुआत हुई।
2. प्रथम विश्व युद्ध के बाद इस आंदोलन को और बल मिला, साथ ही इसे वर्ष 1917 की बाल्फोर घोषणा (जिसके द्वारा फिलिस्तीन में एक यहूदी राष्ट्र-राज्य की स्थापना हेतु समर्थन किया गया था) का प्रोत्साहन भी प्राप्त हुआ।
3. प्रथम विश्व युद्ध के बाद संयुक्त राष्ट्र ने फिलिस्तीन को अलग-अलग यहूदी और अरब राज्यों में विभाजित करने वाली एक विभाजन योजना का प्रस्ताव रखा।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही नहीं हैं ?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

1. उत्तर: A

व्याख्या:

- 19वीं सदी के अंत में **फिलिस्तीन में यहूदी लोगों के लिये एक राष्ट्रीय मातृभूमि की** स्थापना के लक्ष्य के साथ **ज़ायोनी आंदोलन** की शुरुआत हुई। **अत: कथन 1 सही है।**
- **प्रथम विश्व युद्ध** के बाद इस आंदोलन को और बल मिला, साथ ही इसे **वर्ष 1917** की **बाल्फोर घोषणा** (जिसके द्वारा फिलिस्तीन में एक यहूदी राष्ट्र-राज्य की स्थापना हेतु समर्थन प्रदान किया गया था) का प्रोत्साहन भी प्राप्त हुआ। **अत: कथन 2 सही है।**

- **द्वितीय विश्व युद्ध** के बाद वर्ष 1947 में **संयुक्त राष्ट्र** ने **फिलिस्तीन को अलग-अलग यहूदी और अरब राज्यों में विभाजित** करने वाली एक **विभाजन योजना** का प्रस्ताव रखा, जिसके अनुसार यरुशलम एक अंतर्राष्ट्रीय शहर होगा। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

22. तमिल भक्ति परंपरा के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. अलवार 12 शैव संत-कवियों का एक समूह था।
2. नयनार 63 वैष्णव संत-कवियों का एक समूह था।
3. ओधुवर तमिलनाडु के हिंदू मंदिरों में मुख्य पुजारी थे।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: D

व्याख्या:

- **अलवार** 12 **वैष्णव (भगवान विष्णु के भक्त) संत-कवियों** का एक समूह था। उनकी रचनाएँ मुख्य रूप से भगवान विष्णु के प्रति उनकी गहरी भक्ति पर केंद्रित थीं और मोक्ष प्राप्त करने के लिये समर्पण की अवधारणा पर बल देती थीं। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- **नयनार, 63 शैव (भगवान शिव के भक्त)** संत-कवियों का एक समूह था। वे भगवान शिव के प्रति समर्पित थे और अपनी स्तुति में भजन और कविताओं की रचना करते थे, जिसमें भक्ति के मार्ग और परमात्मा के प्रति प्रेम पर बल दिया जाता था। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
- ओधुवर तमिलनाडु के हिंदू मंदिरों में भजन गायन करते हैं **लेकिन वे पुजारी नहीं होते** हैं। उनका मुख्य कार्य **शैव मंदिरों में भगवान शिव की स्तुति करना** है, ये गीत-भजन **थिरुमुराई भजन संग्रह से लिये जाते** हैं। वे भक्ति भजन गाते हैं, उन्हें **पवित्र गर्भगृह में प्रवेश की अनुमति नहीं होती** है।
  - ओधुवरों की परंपरा का पता प्राचीन काल से लगाया जा सकता है, जिसकी जड़ें भक्ति आंदोलन में मज़बूती से जुड़ी हुई हैं, जो तमिलनाडु में 6ठी और 9वीं शताब्दी के दौरान अच्छी तरह विकसित हुई। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

23. चक्रवातों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. अरब सागर में चक्रवातों की तीव्रता एवं आवृत्ति बंगाल की खाड़ी में आए चक्रवातों की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक होती है।
2. बंगाल की खाड़ी में आमतौर पर समुद्र की सतह का तापमान अधिक होता है, जो चक्रवात के निर्माण और तीव्रता के लिये आवश्यक ऊर्जा और नमी प्रदान करता है।
3. बंगाल की खाड़ी में हवाओं का अभिसरण, कोरिओलिस बल (पृथ्वी के घूर्णन के परिणामस्वरूप) के साथ जुड़कर चक्रवात की उत्पत्ति के लिये उपयुक्त वातावरण बनाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही नहीं हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

- **अरब सागर की तुलना में** बंगाल की खाड़ी (Bay of Bengal- BOB) में **चक्रवात की उत्पत्ति अपेक्षाकृत अधिक एवं तीव्र होती है। अत: कथन 1 सही नहीं है।**
  - बंगाल की खाड़ी में आमतौर पर उष्णकटिबंधीय चक्रवात के मौसम के दौरान चक्रवात की कई घटनाएँ होती हैं, जो मुख्य रूप से अप्रैल से दिसंबर तक होती हैं।
- BOB में आमतौर पर **समुद्र की सतह का तापमान अधिक** होता है, अमूमन माननसून के पूर्व और मानसून पश्चात् सीज़न के दौरान, जो **चक्रवात की उत्पत्ति** एवं तीव्रता **के लिये आवश्यक ऊर्जा व नमी** प्रदान करता है। **अत: कथन 2 सही है।**
- BOB में पवन अभिसरण, **कोरिओलिस बल** (पृथ्वी के घूर्णन के परिणामस्वरूप) के साथ मिलकर **चक्रवात की उत्पत्ति के लिये उपयुक्त वातावरण** का निर्माण करता है। ये परिवर्तित हवाएँ **निम्न दबाव के क्षेत्र उत्पन्न करते** हैं, जो उष्णकटिबंधीय विक्षोभ और चक्रवात के रूप में विकसित हो सकते हैं। **अत: कथन 3 सही है।**

24. छत्रपति शिवाजी महाराज के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. उन्होंने छत्रपति, शाककार्ता, क्षत्रिय कुलवंत तथा हैंदव धर्मोधारक की उपाधियाँ धारण की।
2. उन्होंने रैयतवाड़ी व्यवस्था को समाप्त कर दिया और उसके स्थान पर जागीरदारी व्यवस्था को लागू किया।
3. शिवाजी ने एक अनुशासित और कुशल सेना का गठन किया। सामान्य सैनिकों को नकद में भुगतान किया जाता था, लेकिन प्रमुख एवं सैन्य कमांडर को जागीर अनुदान (सरंजाम) के माध्यम से भुगतान किया जाता था।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. इनमें से कोई भी नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

छत्रपति शिवाजी महाराज:

- **जन्म:**
  - उनका जन्म 19 फरवरी, 1630 को महाराष्ट्र के पुणे ज़िले के शिवनेरी किले में हुआ था, वह बीजापुर सल्तनत के तहत पुणे और सुपे की जागीरदारी रखने वाले मराठा सेनापति **शाहजी भोंसले** तथा एक धार्मिक महिला **जीजाबाई** के पुत्र थे, जिनका शिवाजी के जीवन पर काफी प्रभाव पड़ा।
- **उपाधियाँ:**
  - उनके द्वारा **छत्रपति, शाककार्ता, क्षत्रिय कुलवंत तथा हैंदव धर्मोधारक** की उपाधियाँ धारण की गई। **अत: कथन 1 सही है।**
- **राजस्व प्रशासन:**
  - शिवाजी ने **जागीरदारी प्रणाली** को समाप्त कर दिया और इसे **रैयतवारी प्रणाली** में बदल दिया तथा वंशानुगत राजस्व अधिकारियों की स्थिति में परिवर्तन किया, जिन्हें **देशमुख, देशपांडे, पाटिल एवं कुलकर्णी** के नाम से जाना जाता था। **अत: कथन 2 सही नही है।**
  - शिवाजी उन मीरासदारों (Mirasdar) का कड़ाई से पर्यवेक्षण करते थे जिनके पास भूमि पर वंशानुगत अधिकार था।
  - राजस्व प्रणाली **मलिक अंबर की काठी प्रणाली** (Kathi System) से प्रेरित थी, जिसमें भूमि के प्रत्येक टुकड़े को **रॉड अथवा काठी** द्वारा मापा जाता था।
  - **चौथ और सरदेशमुखी** आय के अन्य स्रोत थे।
  - चौथ कुल राजस्व का 1/4 भाग था जिसे गैर-मराठा क्षेत्रों से मराठा आक्रमण से बचने के बदले वसूला जाता था।
  - यह आय का 10 प्रतिशत होता था जो अतिरिक्त कर के रूप में था।
- **सैन्य प्रशासन:**
  - शिवाजी ने एक अनुशासित और कुशल सेना का गठन किया। **सामान्य सैनिकों को नकद में भुगतान** किया जाता था, लेकिन प्रमुख एवं सैन्य कमांडर को जागीर अनुदान (**सरंजाम**) के माध्यम से भुगतान किया जाता था। **अत: कथन 3 सही है।**
- उनकी सेना में **इन्फैंट्री सेना (मावली पैदल सैनिक), घुड़सवार सेना (घुड़सवार और उपकरण संचालक)** तथा एक नौसेना शामिल थी।
  - मृत्यु:
  - शिवाजी का निधन वर्ष **1680 में रायगढ़** में हुआ तथा उनका अंतिम संस्कार **रायगढ़ किले** में किया गया। उनके साहस, युद्ध रणनीति और प्रशासनिक कौशल की स्मृति एवं सम्मान में प्रत्येक वर्ष **19 फरवरी** को शिवाजी महाराज जयंती मनाई जाती है।

25. विनोबा भावे के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. उन्होंने असहयोग आंदोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया और खादी के उपयोग को प्रोत्साहित किया।
2. मरणोपरांत वर्ष 1983 में उन्हें भारत रत्न से सम्मानित किया गया।
3. उन्होंने सर्वोदय आंदोलन की शुरुआत की, जिसमें भूदान (भूमि का उपहार) आंदोलन भी शामिल था।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई भी नहीं

उत्तर: C

व्याख्या:

विनोबा भावे:

- विनायक नरहरि भावे का जन्म **11 सितंबर, 1895** को गागोडे, बॉम्बे प्रेसीडेंसी (महाराष्ट्र) में हुआ था।
- विनोबा भावे एक प्रसिद्ध **अहिंसक कार्यकर्ता, स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक तथा आध्यात्मिक शिक्षक** थे जो **महात्मा गांधी के अहिंसा और समानता के सिद्धांतों का पालन** करते थे।
- वह सामुदायिक नेतृत्व की श्रेणी के तहत वर्ष 1958 में अंतर्राष्ट्रीय **रेमन मैग्सेसे पुरस्कार** पाने वाले पहले भारतीय थे तथा वर्ष 1983 में मरणोपरांत उन्हें **भारत रत्न** प्राप्त हुआ। **अत: कथन 2 सही है।**
- उन्होंने **असहयोग आंदोलन** में सक्रिय रूप से भाग लिया तथा **खादी** के उपयोग हेतु प्रोत्साहित किया। **अत: कथन 1 सही है।**
- विनोबा ने **सामाजिक असमानताओं** के उन्मूलन के लिये कार्य किया तथा **हरिजनों (दलितों) के हितों की वकालत** की। उन्होंने सर्वोदय आंदोलन की शुरुआत की जिसमें **भूदान (भूमि का उपहार) आंदोलन** भी शामिल था। **अत: कथन 3 सही है।**

26. निम्नलिखित में से कौन "एक जाति, एक धर्म, सभी के लिये एक भगवान" में विश्वास करता है?

A. सहोदरन अय्यप्पन
B. श्री नारायण गुरु
C. इरोड वेंकटप्पा रामासामी
D. कोई भी नहीं

उत्तर: B

व्याख्या:

हाल ही में प्रधानमंत्री ने श्री नारायण गुरु को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

- **श्री नारायण गुरु (1856-1928)** एक श्रद्धेय **भारतीय आध्यात्मिक नेता और समाज सुधारक थे** जिनका जन्म केरल के **चेमपज़ंथी (Chempazhanthy)** में हुआ था।
- **उन्होंने जाति की परवाह किये बिना समानता, शिक्षा एवं सामाजिक उत्थान का समर्थन** किया। उनके दर्शन **"एक जाति, एक धर्म, सभी के लिये एक भगवान" (ओरु जथि, ओरु माथम, ओरु दैवम, मनुष्यु)** ने विभिन्न समुदायों के बीच सद्भाव को बढ़ावा देने पर ज़ोर दिया।
- वह **अद्वैत वेदांत, आदि शंकराचार्य द्वारा प्रतिपादित गैर-द्वैत (Non-duality) के सिद्धांत** के सबसे प्रमुख समर्थकों एवं पुनर्मूल्यांकनकर्ताओं में से एक थे।
- उन्होंने **श्री नारायण धर्म परिपालन योगम (SNDP)** के संस्थापक के रूप में एक परोपकारी समाज की स्थापना की।

सहोदरन अय्यपन ने "मानव जाति के लिये कोई धर्म नहीं, कोई जाति नहीं, कोई भगवान नहीं" का नारा दिया। उन्होंने दक्षिण भारत में स्वाभिमान आंदोलन का आयोजन किया। उन्हें द्रविड़ आंदोलन के जनक के रूप में भी जाना जाता है। **वह श्री नारायण गुरु के शिष्य थे।**

27. 'ऑपरेशन पोलो' के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह हैदराबाद रियासत को भारतीय संघ में मिलाने के लिये भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा शुरू किया गया एक सैन्य अभियान था।
2. आज़ादी के बाद हैदराबाद के निज़ाम मीर उस्मान अली शाह ने पाकिस्तान में शामिल होने की इच्छा व्यक्त की।
3. वी.पी. मेनन की देखरेख में सैन्य अभियान की की सहायता से विभिन्न दिशाओं से रणनीतिक हमले किये गये, जिसके परिणामस्वरूप हैदराबाद राज्य की सेनाओं को आत्मसमर्पण करना पड़ा।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई नहीं

उत्तर: A

व्याख्या:

13 सितंबर, 1948 को **हैदराबाद** रियासत को एकीकृत करने के लिये भारत द्वारा सैन्य कार्रवाई शुरू की गई, जिसे **"ऑपरेशन पोलो"** के नाम से जाना जाता है, यह भारतीय इतिहास की एक महत्त्वपूर्ण घटना थी। **अत: कथन 1 सही है।**

- **हैदराबाद का निज़ाम, मीर उस्मान अली शाह** कश्मीर संघर्ष में भारत सरकार की व्यस्तता का लाभ उठाते हुए आज़ादी के बाद भारत या पाकिस्तान में शामिल होने से हिचकिचा रहा था। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**
  - **नवंबर 1947** में हस्ताक्षरित एक स्टैंडस्टिल समझौते ने **हैदराबाद और भारत के बीच एक वर्ष के लिये यथास्थिति** बनाए रखी, जिससे निज़ाम को स्वतंत्र रूप से शासन जारी रखने की अनुमति मिली।
  - हालाँकि **बढ़ते तनाव, सीमा पार छापे और एक स्वतंत्र राज्य स्थापित करने के उसके इरादों ने** भारत को कार्रवाई करने के लिये प्रेरित किया।
- **इस ऑपरेशन के दौरान कई दिशाओं से सुनियोजित सैन्य आक्रमण** के परिणामस्वरूप अंतत: हैदराबाद राज्य की सेना को आत्मसमर्पण करना पड़ा।
  - **सरदार वल्लभभाई पटेल की निगरानी में** चलाया गया यह महत्त्वपूर्ण अभियान **17 सितंबर, 1948** को युद्धविराम की घोषणा के साथ समाप्त हुआ, जिससे **18 सितंबर, 1948** तक हैदराबाद प्रभावी रूप से भारतीय नियंत्रण में आ गया। **अत: कथन 3 सही नहीं है।**

28. बाल गंगाधर तिलक के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. वह डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी के संस्थापक रहे और उन्होंने वर्ष 1885 में फर्ग्यूसन कॉलेज की भी स्थापना की।
2. उन्होंने भारतीय आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिये स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलन का प्रचार किया।
3. इन्होंने मराठी भाषा में केसरी तथा अंग्रेज़ी भाषा में मराठा नामक समाचार पत्रों का प्रकाशन किया तथा वेदों पर 'गीता रहस्य' और 'आर्कटिक होम' नामक पुस्तकें लिखीं।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही नहीं हैं?

A. केवल एक
B. केवल दो
C. सभी तीन
D. कोई नहीं

उत्तर: D

व्याख्या:

बाल गंगाधर तिलक:

- 23 जुलाई, 1856 को जन्मे बाल गंगाधर तिलक एक **स्वतंत्रता सेनानी, वकील और शिक्षाविद् थे जिन्हें लोकमान्य तिलक के नाम से जाना जाता है।**

- वर्ष 1884 में **डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी** के संस्थापक और उन्होंने **वर्ष 1885 में फर्ग्यूसन कॉलेज** की भी स्थापना की। **अत: कथन 1 सही है।**
- तिलक ने **स्व-शासन या स्वराज्य** की आवश्यकता पर बल दिया तथा उनका लोकप्रिय नारा था- **"स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा!"**
- तिलक, वर्ष 1890 में **भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस (Indian National Congress- INC)** में शामिल हुए और **वर्ष 1907 में सूरत विभाजन** में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई तथा पूर्ण स्वराज या स्वराज्य की वकालत की।
- उन्होंने भारतीय आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिये **स्वदेशी और बहिष्कार आंदोलन** का प्रचार किया। **अत: कथन 2 सही है।**
- तिलक ने अप्रैल 1916 में बेलगाम में **अखिल भारतीय होम रूल लीग (All India Home Rule League)** की स्थापना की, जिसका लक्ष्य वर्ष 1916 में लखनऊ समझौते के माध्यम से हिंदू-मुस्लिम एकता था।
- इन्होंने **मराठी भाषा में केसरी तथा अंग्रेज़ी भाषा में मराठा नामक समाचार पत्रों का प्रकाशन किया तथा वेदों पर 'गीता रहस्य' और 'आर्कटिक होम' नामक पुस्तकें लिखीं। अत: कथन 3 सही है।**
- भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्त्वपूर्ण योगदान देने वाले बाल गंगाधर तिलक का **1 अगस्त, 1920** को निधन हो गया।

29. बाल गंगाधर तिलक के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. वह अपने सहयोगी गोपाल गणेश आगरकर और अन्य लोगों के साथ डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी (1884) के संस्थापक थे।
2. गीता रहस्य और आर्कटिक होम ऑफ द वेदाज़ उनके द्वारा लिखे गए थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

- 23 जुलाई को भारत ने स्वतंत्रता सेनानी तथा शिक्षाविद् बाल गंगाधर तिलक को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी।
- **प्रमुख बिंदु**
- **जन्म:** उनका जन्म 23 जुलाई, 1856 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी में हुआ था।
- स्वतंत्रता सेनानी तथा वकील बाल गंगाधर तिलक को लोकमान्य तिलक के नाम से भी जाना जाता है।
- **शिक्षाविद्:**
  - इन्होने अपने सहयोगी गोपाल गणेश आगरकर और अन्य के साथ मिलकर वर्ष 1884 में डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी की स्थापना की। **अत: कथन 1 सही है।**
  - डेक्कन एजुकेशन सोसाइटी के माध्यम से पुणे में फर्ग्यूसन कॉलेज (1885) के संस्थापकों में से एक।
- **समाचार पत्र:** साप्ताहिक केसरी (मराठी) तथा मराठा (अंग्रेज़ी)।
- **पुस्तकें:** गीता रहस्य और आर्कटिक होम ऑफ द वेदाज़। **अत: कथन 2 सही है।**

30. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. रानी दुर्गावती ने गोंड जनजाति में विवाह किया तथा अपने पति की मृत्यु के बाद गढ़-कटंगा राज्य पर शासन किया।
2. रानी दुर्गावती ने 16वीं शताब्दी के मध्य में अकबर के शासनकाल के दौरान मुगल विस्तार के विरुद्ध लड़ाई लड़ी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

- वर्ष 1524 में **महोबा के चंदेल राजवंश** में जन्मी रानी दुर्गावती **भारत की स्वाधीनता की प्रतीक** थीं।
- दुर्गावती का विवाह **गोंड राजा संग्राम शाह के बेटे दलपत शाह** से हुआ और वर्ष 1550 में पति की मृत्यु के बाद उन्होंने बड़ी बहादुरी और साहस के साथ **गढ़-कटंगा राज्य** पर शासन किया। **अत: कथन 1 सही है।**
  - गोंड मध्य भारत की एक प्रमुख जनजाति है जो अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिये जानी जाती है।
  - गढ़-कटंगा साम्राज्य में **नर्मदा घाटी का क्षेत्र और उत्तरी मध्य प्रदेश के कुछ हिस्से शामिल थे।**
- रानी दुर्गावती ने **16वीं शताब्दी के मध्य में मुगल साम्राज्य के विस्तार का विरोध** किया तथा **अकबर के सेनापति आसफ खान** और पड़ोसी मालवा के सुल्तान बाज बहादुर के विरुद्ध लड़ते हुए मज़बूत नेतृत्व का प्रदर्शन किया। **अत: कथन 2 सही है।**

31. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिये:

1. ट्रांसवाल ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन का गठन
2. नेटाल इंडियन कॉन्ग्रेस का गठन
3. टॉल्स्टॉय फार्म की स्थापना

इन घटनाओं को कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित कीजिये:

A. 1-2-3
B. 2-1-3
C. 3-2-1
D. 2-3-1

उत्तर: B

व्याख्या:

- गांधी 1893 में एक कानूनी मामले को संभालने के लिये दक्षिण अफ्रीका पहुँचे लेकिन देश में भारतीयों के अधिकारों हेतु लड़ने के लिये प्रेरित हुए।
- उन्होंने डरबन में भारतीयों को संगठित किया और भारतीयों हेतु मतदान के अधिकार की वकालत करने के लिये वर्ष **1894 में नेटाल इंडियन कॉन्ग्रेस का गठन किया**।
- उन्होंने अपने कानूनी अभ्यास, भारतीयों का प्रतिनिधित्व करने और उनकी शिकायतों को दूर करने के माध्यम से भेदभाव तथा नस्लवाद का सामना किया।
- उन्होंने भारतीयों के कल्याण के लिये समर्थन जुटाया और **वर्ष 1903 में जोहान्सबर्ग में ट्रांसवाल ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन की स्थापना की।**
- वर्ष 1910 में गांधी ने टॉल्स्टॉय के विचारों से प्रेरित होकर जोहान्सबर्ग के पास एक और सहकारी कॉलोनी की स्थापना की, जिसे **टॉल्स्टॉय फार्म** कहा जाता है। **अत: विकल्प B सही है।**

32. राम प्रसाद बिस्मिल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. कॉन्ग्रेस पार्टी के उदारवादी समूह से असंतोष के कारण मातृवेदी उनके द्वारा बनाया गया एक क्रांतिकारी संगठन था।
2. वह चंद्रशेखर आज़ाद और अशफाक उल्ला खान के साथ काकोरी षड्यंत्र मामले में शामिल थे।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: C

व्याख्या:

- राम प्रसाद बिस्मिल स्वतंत्रता संग्राम के क्रांतिकारी तरीकों में विश्वास करते थे जो गांधीवादी तरीकों के विपरीत थे।
- राम प्रसाद बिस्मिल के कुछ योगदान:
  - **मैनपुरी षड्यंत्र:**
    - बिस्मिल का कॉन्ग्रेस पार्टी के उदारवादी समूह से मोहभंग हो गया और उन्होंने **'मातृवेदी' नामक एक क्रांतिकारी संगठन** की स्थापना की। **अत: कथन 1 सही है।**
    - बिस्मिल और दीक्षित वर्ष 1918 के मैनपुरी षड्यंत्र में शामिल थे जिसमें उन्होंने प्रतिबंधित साहित्य वितरित किया।
  - **काकोरी ट्रेन घटना:**
    - वर्ष 1925 में काकोरी ट्रेन घटना HRA की एक बड़ी कार्रवाई थी जिसका उद्देश्य गतिविधियों के लिये धन प्राप्त करना और प्रचार करना था।
    - इसके लिये **बिस्मिल और उनके साथी चंद्रशेखर आज़ाद और अशफाक उल्ला खान** ने लखनऊ के पास काकोरी में एक ट्रेन लूटने का फैसला किया।
- वे अपने प्रयास में सफल रहे लेकिन हमले के एक महीने के अंदर एक दर्जन HRA सदस्यों के साथ गिरफ्तार कर लिये गए और उन पर **काकोरी षड्यंत्र केस के तहत मुकदमा** चलाया गया। **अत: कथन 2 सही है।**

33. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. भारतीय सेना ने ब्रिटिश सेना से अपनी वर्दी का पैटर्न प्राप्त किया है।
2. स्वतंत्रता के बाद भारत ने लेफ्टिनेंट कर्नल पद से ऊपर की सभी रेजिमेंटल वर्दी में शामिल वस्तुओं का त्याग दिया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: A

व्याख्या:

हाल ही में भारतीय सेना ने निर्णय लिया है कि 1 अगस्त, 2023 से ब्रिगेडियर और उससे ऊपर के रैंक के सभी अधिकारी सामान्य पहचान और दृष्टिकोण को बढ़ावा देने तथा मज़बूत करने हेतु अपने कैडर एवं नियुक्ति के बावजूद समान वर्दी पहनेंगे।

- **वर्तमान स्थिति:**
  - भारतीय सेना की विभिन्न शाखाएँ अपने रेजिमेंटल या कोर संबद्धता के आधार पर अलग-अलग वर्दी पहनती हैं, जैसे बेरेट, डोरी और रैंक के बैज।
    - अतिरिक्त पोशाक या उपकरण जो वर्दी या पोशाक को पूरा करने के लिये विशेष रूप से सैन्यकर्मियों द्वारा पहने जाते हैं।
  - इन्फैंट्री अधिकारी और सैन्य खुफिया अधिकारी गहरे हरे रंग की टोपी पहनते हैं, बख्तरबंद वाहिनी के अधिकारी काली टोपी पहनते हैं और अन्य वाहिनी अधिकारी गहरे नीले रंग की टोपी पहनते हैं। सैन्य पुलिस कोर के अधिकारी लाल रंग की टोपी पहनते हैं।

- वर्तमान में लेफ्टिनेंट से जनरल रैंक तक के सभी अधिकारी अपने रेजिमेंटल या सैन्य-दल संबद्धता के अनुसार वर्दी पहनते हैं। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

- **कर्नल और उससे ऊपर के रैंक के अधिकारियों द्वारा पहनी जाने वाली वर्दी को ब्रिटिश सेना में कर्मी/स्टाफ की वर्दी कहा जाता है, भारतीय सेना की वर्दी पैटर्न और संबंधित प्रतीक इसी से प्रेरित है। यह इसे रेजिमेंटल वर्दी से भिन्न बनाता है। अत: कथन 1 सही है।**

34. रवीन्द्रनाथ टैगोर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. उन्हें बंगाली गांधी के नाम से भी जाना जाता है, वे एक असाधारण साहित्यकार और बहुज्ञ थे, जिन्हें बंगाली साहित्य एवं संगीत में उनके योगदान हेतु जाना जाता है।
2. वह वर्ष 1931 में साहित्य में पहले गैर-यूरोपीय नोबेल पुरस्कार विजेता थे।
3. टैगोर के गीतों की रचनाओं को "रवींद्र संगीत" कहा जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?

A. केवल 3
B. केवल 1 और 2
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2 और 3

उत्तर: B

व्याख्या:

- **रवींद्रनाथ टैगोर**, जिन्हें **गुरुदेव के नाम से भी जाना जाता** है, एक **असाधारण साहित्यकार और बहुज्ञ** थे, जिन्हें बंगाली साहित्य एवं संगीत में योगदान के लिये जाना जाता है। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
- बंगाली कैलेंडर के अनुसार, **'रवींद्रनाथ टैगोर जयंती' बंगाली माह बैशाख के 25वें दिन मनाई जाती है** और यह 9 मई, 2023 को मनाई गई।
- **टैगोर द्वारा 2000 से अधिक गीतों की रचना की गई**, जिसे **"रवींद्र संगीत"** कहा जाता है तथा **गीतांजलि** जैसी उनकी प्रसिद्ध रचनाओं ने एक स्थायी प्रभाव छोड़ा है। **अत: कथन 3 सही है।**
- **वर्ष 1913 में साहित्य में पहले गैर-यूरोपीय नोबेल पुरस्कार विजेता** के रूप में, वे कलात्मक उत्कृष्टता के प्रतीक बन गए। टैगोर के दर्शन और विश्वभारती विश्वविद्यालय की स्थापना पीढ़ियों को प्रेरित करती रही है। **अत: कथन 2 सही नहीं है।**

35. दिमासा के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. दिमासा (या दिमासा-कचारी) अरुणाचल प्रदेश के सबसे प्राचीन ज्ञात शासक और निवासी हैं।
2. इतिहासकार उन्हें "आदिवासी" या "ब्रह्मपुत्र घाटी के शुरुआती ज्ञात निवासी" के रूप में वर्णित करते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: B

व्याख्या:

दिमासा:

- **परिचय:**
  - दिमासा (या दिमासा-कचारी) **असम के सबसे पहले ज्ञात शासक और निवासी हैं**, और अब मध्य तथा दक्षिणी असम के दीमा हसाओ, कार्बी आंगलोंग, कछार, होजई और नागाँव ज़िलों के साथ-साथ नगालैंड के कुछ हिस्सों में रहते हैं। **अत: कथन 1 सही नहीं है।**
    - कुछ इतिहासकार उन्हें "आदिवासी" या **"ब्रह्मपुत्र घाटी के शुरुआती ज्ञात निवासी"** के रूप में वर्णित करते हैं। **अत: कथन 2 सही है।**
  - **अहोम शासन** से पहले दिमासा राजाओं ने 13वीं और 16वीं शताब्दी के बीच ब्रह्मपुत्र के दक्षिणी किनारे पर असम के बड़े हिस्से पर शासन किया था और प्राचीन कामरूप साम्राज्य के शासकों के वंशज माने जाते थे।
  - उनकी सबसे पुरानी ऐतिहासिक रूप से ज्ञात राजधानी दीमापुर (अब नगालैंड में) और बाद में **उत्तरी कछार पहाड़ियों में माईबांग** थी।
  - यह एक शक्तिशाली राज्य था और 16वीं शताब्दी में ब्रह्मपुत्र के लगभग सभी दक्षिणी क्षेत्र इसके नियंत्रण में थे।

36. वैकोम सत्याग्रह के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. ब्रिटिश शासन के खिलाफ भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में यह एक महत्त्वपूर्ण घटना थी।
2. इसका नेतृत्त्व सावित्रीबाई फुले ने किया था।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

व्याख्या:

- वैकोम सत्याग्रह वर्ष 1924 में त्रावणकोर, वर्तमान केरल की रियासत में शुरू किया गया एक आंदोलन था।

- आंदोलन निचली जाति के हिंदुओं द्वारा शुरू किया गया था, जो वैकोम में शिव मंदिर में उच्च जाति के हिंदुओं के उन भेदभावपूर्ण प्रथाओं के खिलाफ विरोध कर रहे थे, जिसने उन्हें मंदिर में प्रवेश से वंचित कर दिया था। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**

- **इस सत्याग्रह का नेतृत्त्व के. केलप्पन, टी. के. माधवन और के. अय्यप्पन जैसे नेताओं ने किया था।**
  - आंदोलन को महात्मा गांधी का समर्थन मिला, जिन्होंने वर्ष 1925 में वैकोम का दौरा किया और प्रदर्शनकारियों के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त की। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**

37. राम मनोहर लोहिया के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत सोशलिस्ट पार्टी से की थी।
2. उन्होंने ब्रिटिश शासन के खिलाफ महात्मा गांधी के अहिंसक संघर्ष का विरोध किया।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

उत्तर: D

व्याख्या:

- राम मनोहर लोहिया समाजवादी राजनीति और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में प्रमुख व्यक्ति थे। वे ब्रिटिश शासन के खिलाफ महात्मा गांधी के अहिंसक संघर्ष के प्रतिबद्ध समर्थक थे और उन्होंने वर्ष 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया था। **अतः कथन 2 सही नहीं है।**
- लोहिया के प्रारंभिक राजनीतिक जीवन की शुरुआत कॉन्ग्रेस पार्टी के साथ हुई, जहाँ उन्होंने कॉन्ग्रेस पार्टी के सर्वोच्च निकाय- अखिल भारतीय कॉन्ग्रेस कमेटी (A.I.C.C.) के विदेश विभाग के सचिव के पद पर कार्य किया। **अतः कथन 1 सही नहीं है।**
- वर्ष 1963 में लोहिया फर्रुखाबाद (लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र) में उपचुनाव के बाद लोकसभा के सदस्य बने। वे कन्नौज (लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र) से वर्ष 1967 के लोकसभा चुनाव में भी विजयी हुए लेकिन कुछ महीने बाद उनका देहांत हो गया।